अगले दस वर्षों में स्वर्णिम भारत के निर्माण के लिए आश्वस्त हुए संत और राजनेता

देश विदेश प्रतिनिधियों के बीच संतों ने किया दादी जानकी का अभिनन्दन

आबू रोड, ५ नवम्बर, निसं। विभिन्न देशों से आये प्रतिनिधियों और देश के शीर्षस्थ संतों ने विश्वास जताया कि विश्व की अग्रणी आध्यात्मिक संस्था प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय के प्लेटिनम जुबली समारोह में विकसित हुआ वातावरण स्वर्णिम भारत के निर्माण का स्वप्न अगले दशक में साकार करने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभायेगा। हिन्दू महासभा के अध्यक्ष स्वामी चक्रपाणि ने कहा कि सभी धर्मों और सम्प्रदायों का मूल मंत्र शांति ही है जिसका प्रसार संयुक्त राष्ट् संगठन से सम्बन्ध यह संस्था विश्व भर में कर रही है। हीरों का व्यवसाय छोड़कर दादा लेखराज ने मनुष्यों को हीरा बनाने का जो लक्ष्य निर्धारित किया था। उसकी प्राप्ति की ओर यह संस्था दादी जानकी के कुशल एवं प्रबुद्ध नेतृत्व में तेजी से कदम उठा रही है। ९५ वर्ष की आयु में दादी जी जिस परिपक्वता एवं दूरदर्शिता से कार्य कर रही हैं उसे देखकर सहज ही उम्मीद जताई जा सकती है कि भगवा व श्वेत वस्त्रधारी संतों का संगम प्रदूषण मुक्त समाज की संरचना कर पाने में सफल होगा।

सर्व संत समाज की ओर से स्वामी चक्रपाणि, जगदगुरू शंकराचार्य स्वामी ओंकारानन्द सरस्वती, जगदगुरू सिद्ध लिंग स्वामी व स्वामी समर्पणानन्द गिरी आदि वरिष्ठ संतों ने इस अवसर पर दादी जी को उनकी अमूल्य आध्यात्मिक सेवाओं के समानार्थ प्रतीक चिन्ह भेंट करते हुए अभिनन्दित किया।

इस अवसर पर राजस्थान के परिवहन मंत्री बृजकिशोर शर्मा ने भी दादीजी को राजस्थान सरकार एवं समूल राजस्थान निवासियों की ओर से सम्मानित करते हुए कहा कि भारत में संत पूर्णिमा भले ही ना ला सके। लेकिन उन्होंने अमावश भी नहीं होने दी। अब मातृशक्ति एवं संतशक्ति मिलकर भारत से विश्व परिवर्तन के यज्ञ का सुदृढ़ आगाज करेंगे। परितर्वन अवश्य आयेगा, सामूहिक प्रयास रंग लायेंगे, सत्यम् शिवम् सुन्दरम का सिद्धांत फलीभूत होगा। पंचमशैली मठ दावनगिरी के जगदगुरू सिद्ध लिंग स्वामी ने कहा कि देश में अनेक विश्वविद्यालय है जो मात्र डिग्रियां थमाते हैं लेकिन माउण्ट आबू का यह विश्व विद्यालय ही मात्र एक संस्था है जो त्याग की नींव पर आधारित है और नैतिकता तथा मानव सेवा की शिक्षा देता है।

संस्था की मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी जानकी ने कहा कि आज मुझे असीम खुशी है कि देशभर से वे सम्मानीय संत प्लेटिनम जुबली के अवसर पर एकत्र हुए है। जिनसे लाखों लोगों को आध्यात्मिक मार्ग दर्शन एवं आदर्श जीवन जीने का संदेश प्राप्त होता है।

इससे पूर्व श्रीराम नाटक निकेतन सिकन्दराबाद की कन्याओं ने अत्यन्त सुन्दर सामूहिक नृत्य प्रस्तुत करके रंग जमा दिया। संस्था की संयुक्त मुख्य प्रशासिका राजेयागिनी दादी रतनमोहिनी, महासचिव ब्र. कु. निर्वैर, अतिरिक्त महासचिव ब्र. कु. बृजमोहन, कार्यकारी सचिव ब्र. कु. मृत्युंजय, मीडिया प्रवक्ता ब्र. कु. करूणा, ब्र. कु. मोहिनी, ब्र. कु. प्रेम, ब्र. कु. मुन्नी आदि ने भी सम्बोधन किया।

आकर्षण- विभिन्न देशों से आये प्रतिनिधियों ने जब अपने-अपने देश के राष्ट्ध्वज लहराते हुए उदघाटन परेड में भाग लिया तो डायमंड हॉल में उपस्थित हजारों भाई-बहनों ने करतल ध्वनि की। संस्था के विभिन्न प्रभागों ने भी अपनी उपलब्धियों के बारे में चित्रमय झांकी प्रस्तुत की।

उदघाटन समारोह के लिए दो सौ फुट लम्बे मंच को विशेष रूप से सजाया गया था। टीवी चैनल्स द्वारा इसका प्रसारण देश विदेश में किया गया।

फोटो, ५एबीआरओपी, १, २, ३, ४ विभिन्न देशों से आये प्रतिनिधि राष्ट्ध्वज सहित परेड में भाग लेते हुए, दादी जानकी का अभिनन्दन करता संत समाज, स्वागत नृत्य प्रस्तुत करती बालिकायें।